2- इस संबंध में होने वाला व्यय रुपये 10,59,00,000 (रुपये दस करोड़ उनसठ लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 20232024 के आय-व्ययक मे **अनुदान संख्या** 009 **लेखाशीर्षक** 4801801900900 पी.एस.डी.एफ. योजना अन्तर्गत 33/11 के.वी. उपकेन्द्रों पर बैंक्स की स्थापना (के.75/रा.25-रा.) **मानक मद** 30 निवेश/ऋण के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश कंप्यूटर द्वारा उत्पन्न संख्या E-10-84-X-2023-24-दिनांक:6-9-2023 मे प्राप्त वित्त विभाग की सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

प्रभंजन यादव
अनु सचिव।

संख्या- 83/2023/001-1765(1)-24-1-2023-64-2023, तद् दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लि0, कोर-4, स्कोप काम्प्लेक्स-7- लोधी रोड़, नई दिल्ली-110003
2- महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, उ0प्र0, सरोजनी नायडू मार्ग, प्रयागराज-211001
3- प्रधान महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) प्रथम, 15-ए, दयानन्द मार्ग, सिविल लाइन, प्रयागराज-211001
4- कार्यालय प्रधान महालेखाकार(लेखापरीक्षा-।।), उ0प्र0, आडिट भवन, टी0सी0-35-वी-1, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ।
5- मुख्य कोषाधिकारी, लखनऊ।
6- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-10/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1
7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

प्रभंजन यादव
अनु सचिव।

संख्या- 83/2023/001-1765-24-1-2023-64-2023

प्रेषक,

प्रभंजन यादव,
अनु सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0,
शक्ति भवन, लखनऊ।

ऊर्जा अनुभाग-1 **लखनऊ : दिनांक 12 सितम्बर, 2023**

विषय:-पी0एस0डी0एफ0 योजनान्तर्गत 33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों पर बैंक्स की स्थापना मद में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति जारी किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक (वित्त), उत्तर प्रदेश कारपोरेशन लि0 के पत्र संख्या-471/अधि0नि0(वित्त)/वि0प्र0-2/आय-व्ययक 2023-24/436, दिनांक 03 जुलाई, 2023 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के आय-व्ययक में ऊर्जा विभाग के अनुदान संख्या-9 के लेखाशीर्ष 4801-80-190-09-30 में पी0एस0डी0एफ0 योजनान्तर्गत 33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों पर बैंक्स की स्थापना हेतु प्राविधानित धनराशि रूपये 15,28,00,000/- (रूपये पन्द्रह करोड़ अठ्ठाइस लाख मात्र) में से 10 प्रतिशत राज्यांश के रूप में धनराशि रूपये 10,59,00,000/- (रूपये दस करोड़ उनसठ लाख मात्र) आहरित कर व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

नियम व शर्ते / प्रतिबन्धों

(1) प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि के आहरण हेतु कारपोरेशन के सक्षम प्राधिकारी द्वारा वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 के प्रपत्र संख्या-42जी/शुद्ध पत्र संख्या-426, दिनांक 13 जुलाई, 1971 द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर बिल बनाकर प्रतिहस्ताक्षर हेतु ऊर्जा अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(2) प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि को आवश्यकता होने पर आहरित किया जायेगा तथा जिस मद में धनराशि स्वीकृत की गयी है उसी मद में खर्च किया जायेगा।

(3) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष समय-समय पर व्यय की गयी धनराशि का सम्पूर्ण विवरण यथा कोषागार का नाम जहाँ से धनराशि आहरित की गयी है, बाउचर संख्या, आहरण की तिथि, लेखाशीर्षक आदि तथा आहरित धनराशि के संबंध में उपयोगिता प्रमाण-पत्र महालेखाकार, उत्तर प्रदेश प्रयागराज/लखनऊ और ऊर्जा विभाग/ वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को नियमानुसार उपलब्ध कराने की बाध्यता होगी।

(4) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में अन्य मदों में नहीं किया जायेगा।

(5) यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग उन्ही कार्यों के लिए हो जो संबंधित डिस्काम्स द्वारा अपरिहार्य रूप से कराये जाने हो तथा जिनकी तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त कर ली गयी हो।

(6) इस शासनादेश में निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन निदेशक (वित्त), उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।